घोषणा-पत्र

मैं श्वेता चितोड़े , एतद् द्वारा प्रतिज्ञापूर्वक घोषणा करता हूँ कि एम.फिल. कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान, सत्र: 2014-2015 की उपाधि हेतु **"वऱ्हाडी-मराठी-हिंदी-अंग्रेजी इलेक्ट्रोनिक शब्दकोश (Varhadi-Marathi-Hindi-English Electronic Dictionary)"** विषय पर प्रस्तुत शोध-प्रबंध मेरा मौलिक कार्य है। मेरे संज्ञान में इससे पूर्व इसे अंशत: या पूर्णत: इस विश्वविद्यालय में या किसी अन्य संस्थान में किसी भी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है।

(श्वेता चितोड़े)

नामांकन संख्या: 2014/01/202/005

सत्र: 2014 -15

कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग

(भाषा विद्यापीठ)

स्थान : .....

दिनांक : .....

भूमिका

भारत अनेक संस्कृति, कला, लोक नृत्य, भाषा और बोली का देश है और महाराष्ट्र देश का एक अभिन्न भाग है जो की अपनी कला, संस्कृति, वेशभूषा, भाषा और त्योहारों के लिए एक अलग ही तरह का विशेषता रखता है यहाँ के परिवारों में आपसी एकता और सहिष्णुता देखने को मिलती है यहाँ की मुख्य बोली मराठी है यहाँ के लोग मराठी के साथ ही साथ हिंदी का भी ज्ञान रखते है महाराष्ट्र प्रान्त भाषा के आधार पर तीन विभागों में विभाजित है मराठवाडा, पश्चिम महाराष्ट्र और विदर्भ नाम से विभाजित है विदर्भ में नागपुर को मुख्य राजधानी कही जाती है जहां पर झाड़ीबोली बोली जाती है और विदर्भ के ही कुछ भाग जैसे यवतमाल, अमरावती, बुलढाना, वाशिम, अकोला में वऱ्हाडी भाषा बोली जाती है वऱ्हाडी भाषा का प्रयोग विदर्भ के ग्रामीण क्षेत्रो में अधिक बोली जाती है

महाराष्ट्र के सभी त्योहारों में गाये जाने वाली लोक गीत , लोक नाट्य और लोक साहित्य सभी में लगभग वऱ्हाडी भाषा में है जो मराठी बोले जाने वाले क्षेत्र में भी वऱ्हाडी भाषा की विशेषता को दर्शाता है वऱ्हाडी भाषा के माध्यम से मराठी लोग अपने त्योहारों जैसे, लोक नाट्यो, लोक गीतों और संस्कृति से जुड़े है और इसके द्वारा उन्हें जीने के लिए एक प्रेरणा मिलती है

इन्ही सब को महसूस करते हुए मैंने सोचा की , मराठी मानुष को उनके लोक कला , संस्कृति , त्यौहार (पोला , नागपंचमी , तुलसी विवाह , कोजागिरी इत्यादि में गाये जाने वाले गीत)को डिजिटल रूप में उनके सामने प्रस्तुत किया जाये और इसमें करने के लिए मुझे स्मार्ट फ़ोन से अच्छा कोई और विकल्प नही दिखा इसलिए मैंने स्मार्ट फ़ोन और स्मार्ट डिवाइस के लिए एक एप्प बनाने का निर्णय किया | एप्प पर ज्यादा सर्वे करने पर ज्ञात हुआ की स्मार्ट डिवाइस के लिए सबसे प्रसिद्ध ऑपरेटिंग सिस्टम एंड्राइड है और अपने कार्य को डिजिटल रूप देने के लिए मैंने एंड्राइड ओ एस का चयन किया|

एंड्राइड ओ एस के लिए प्रारम्भिक स्तर पर कार्य करने के लिए मैंने शब्दकोश के निर्माण करने की इच्छा हुयी है क्योंकि अब तक इस स्तर पर कोई कार्य नही हुआ है इसलिए मैंने प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. प्रतिमा इंगोले जी से संपर्क किया और वऱ्हाडी भाषा के शब्कोश के लिए उनसे शब्दों के संकलन के लिए सहायता प्राप्त हुयी | उनके द्वारा लिखी हुयी पुस्तक तुयशिचा वटा और पुरुषोत्तम बोरकर द्वारा लिखी मेड इन इंडिया पुस्तक से शब्दों का संकलन किया|

इसके साथ मैंने मराठी भाषा , हिंदी और अंग्रेजी भाषा का चयन किया ताकि इन भाषाओ के माध्यम से वऱ्हाडी भाषा इन तीनो भाषा को जानने वाले लोगों के बीच पहुचाया जायेगा | इसके साथ मेरे साथ एक घटना घटी है उसे मैं यहाँ जरुर कहना चाहूंगी|

एक बार की बात है

" मै ट्रेन से अमरावती से वर्धा यात्रा कर रही थी और बैठे बैठे 'बुक गंगा.कॉम' पर कुछ किताबे ढूंड रही थी। मैंने लेखिका 'प्रतिमा इंगोले जी ' का नाम सुना था, तो मै उनकी किताबे वहाँ ढूंडी कि तभी मुझे उनकि 'भुलाई' ये काव्य संग्रह दिखा इसमे उन्होने जो कवितायें लिखी है वो वऱ्हाडी बोलि भाषा में है। इस काव्यसंग्रह मे महिलाओं के जीवन वन कि पुरी कहानी है बचपन से लेके बुढापे तक। मै उस मे जो कविता दि है उसे पढ़ रही थी, तब मेरे बगल में एक चाची बैठी थी वो हिंदी भाषा बोलने वाली थी। पर जब मै पढ रही थी तो वो उस कविता को देख रही थी उनको कुछ समझ में नही आ रहा था, क्यों कि कविता वऱ्हाडी भाषा में थी। तब मुझे ऐसा लगा कि मैंने वऱ्हाडी शब्दकोश पर काम करना चाहिये वो भी एंड्रॉइड एप्प के जरिये। क्यों की एप्प अगर तैयार रहेगी तो वऱ्हाडी भाषा में लिखे किताबे कोई भी कही भी पढ़ सकते है "

मैंने इस शब्दकोश का निर्माण मराठी, हिंदी और अंग्रेजी पाठक के लिये किया है। ताकि वो इस का उपयोग कर वऱ्हाडी भाषा कि सभ्यता, संस्कृति, लोकसाहित्य, लोकनाट्य, चक्की पर गानेवाले गीत और भी बहुत कुछ समझ सके।

लघु शोध सारांश

प्रस्तुत लघु-शोध का उद्देश वऱ्हाडी भाषा के महत्त्व को मराठी, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं के लोगों तक पहुंचाना है| वऱ्हाडी बोली जैसी नजाकतदार और कुर्रेबाज है वैसे ही शालीन और कुलवंत भी है | महानुभाव गद्य के कूल के बारे में बताने वाले इस बोली में उद्धव शेळके ('धग'), मनोहर तल्हार ('माणूस'), पुरुषोत्तम बोरकर ('मेड इन इंडिया'), प्रतिमा इंगोले ('भुलाई'), रमेश इंगळे उत्रादकर ('निशाणी डावा अंगठा'), किशोर सानप ('पांगुळवाडा'), रा. गो. चवरे इन सब लोगों ने कादंबरी लेखन किया है| कविता के क्षेत्र में शरच्चंद्र सिन्हा और विठ्ठल वाघ | कथाओं में प्रतिमा इंगोले और सतीश तराळ इन सबने वऱ्हाडी बोली में अपना कस दिखाया है|

इस शोध प्रबंध के अध्याओ का सारांश कुछ इस प्रकार से है

पहला अध्याय शब्दकोश और मोबाइल कंप्यूटिंग का परिचय है जिस में शब्दकोश, एंड्राइड एप्प और भाषा का सामान्य परिचय है साथ ही में, शब्दकोश और मोबाइल का इतिहास भी दिया है| एंड्राइड एप्प का निर्माण क्यों करना चाहिए ये उसकी लाभ और विशेषताओं से समझ में आता है| एंड्राइड एक ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर है, ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर के महत्व और वर्तमान में उसकी आवश्यकता, इसी से एंड्राइड एप्प तैयार करनेकी प्रेरणा मिलती है| साहित्य समीक्षा से ये समझ मे आता है की किसी भी विषय का आज तक " कितना काम हुवा है ?" और उसके विकास का उद्देश क्या है|

द्वितीय अध्याय भाषा विश्लेषण और कोशरचना है जिस में एप्प बनाने हेतु उपयोग आयी भाषाओं का विश्लेषण(जैसे की:- भाषाओं की जानकारी, समानता और विषमता)और कोशरचना क्या है? ये बताया है|

तृतीय अध्याय में शोध की कार्यप्रणाली के लिए किन बातो की जरूरत है वो दिया है, जैसे की शोध प्राविधि, जिस भाषा के जरिये शोध किया जा राहा है उसके उद्देश्य, टेक्निकल का विशेष उल्लेख, सिस्टम डिजाईन, टूल की क्रिया, टूल के लिए उपयोग आयी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज सूडो कोडिंगआदी सब|

चतुर्थ अध्याय में शोध का निष्कर्ष दिया है जिसमे इलेक्ट्रॉनिक शब्दकोश के लाभ, शब्दकोश निर्माण में आयी समस्यायें और भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक शब्दकोश का विस्तार का पता चलता है|